NAME OF THE COLLEGIE – Godda college, Godda

SL NO	DATE	NAME OF THE TEACHER	SUBJECT	SEM	TOPIC	MODE ADOPTED
01	01.05.2020	Md Mahtab Ahmad	CC-08	B.Ed 2nd year	Types of School Records and Registers	Pdf
02	03.05.2020	Md Mahtab Ahmad	CC-08	B.Ed 2nd year	TimeTable	Pdf

Scanned by CamScanner

समय सारणी का अर्थ

समय सारणी को स्कूल का 'Spark Plug' कहा जाता है। जिससे स्कूल की समस्त गतिविधियाँ हरकत में आ जाती हैं। किसी ने ठीक कहा है – "समय सारणी विद्यालय की दूसरी घड़ी है।" यह वह तालिका है जिससे स्कूल के सारे कार्यों का एक नजर में पता चलता है। इसके द्वारा हम जान लेते हैं कि स्कूल में कितने घण्टे कार्य होना है किस समय किस कक्षा में कौन सा कार्य होना चाहिए, कौन से शिक्षक कक्षा में होने चाहिए तथा कौन से दूसरे कार्य करते हुए वे व्यस्त रहें, हाजिरी में किसका समय कौन सा है प्रातः असेम्बली का, व्यायाम का, खेलों तथा आधी छुट्टी आदि का कौन सा समय है।

समय सारणी की आवश्यकता तथा उपयोगिता

(1) मानवीय तथा भौतिक साधनों का सदुपयोग – निःसन्देह प्रत्येक कार्य योजनानुसार होना चाहिए, इससे समय तथा शक्ति का पूरा-पूरा लाभ उठाया जा सकता है। समय विभाग-चक्र द्वारा उपयुक्त शिक्षक, उपयुक्त समय पर, उपयुक्त रीति से, उपयुक्त कक्षा में उपयुक्त विषय पढ़ाता है। इसके माध्यम से सभी प्रकार के साधनों का अधिकतम लाभ उठाया जा सकता है।

(2) स्कूल में नियमपूर्वक कार्य होना – समय-विभाग चक्र शिक्षालय में अनावश्यक विचलन तथा अस्तव्यस्तता को रोकता है।

(3) सभी कार्यों पर उचित ध्यान – समय-विभाग चक्र द्वारा सभी कार्यों को उनके महत्व के अनुसार समय मिल जाता है।

(4) नैतिक गुणों पर बल – शिक्षकों तथा विद्यार्थियों में समय पर काम करने का गुण निर्माण होता है।

(5) कक्षाओं में शिथिलता तथा प्रमोद को रोकना – समय विभाग-चक्र कक्षाओं में शिथिलता तथा प्रमाद को रोकता है तथा अतिशीघ्रता पर भी प्रतिबन्ध लगाता है। बिना निश्चित कार्यक्रम के कक्षा वर्ष के पहले आधे भाग में मन्द रहेंगे और शेष आधे भाग में द्रुतगामी। कक्षा तथा शिक्षक द्वारा वर्ष ही कार्य निश्चित होने पर व्यस्त रहते हैं।

Scanned by CamScanner

(6) छात्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखना – बालकों की मानसिक तथा शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखा जाता है तथा थकावट को दूर करने में अथवा कम करने में सहायता देता है।

(7) शिक्षकों का समान कार्यभार – समय सारणी को प्रत्येक शिक्षक को दिये गए कार्यभार का स्वरूप ढाँचा माना जाता है। इसके निरीक्षण से तुरन्त पता चलता है कि कार्यभार समान है अथवा नहीं। कार्य भार समान करने के उपाय सोचे जाते हैं।

(8) शिक्षकों को उनके पाठों की तैयारी में सहायता – अध्यापक पहले से ही जानते है कि किस घण्टे में क्या पढ़ाना है। उसी के अनुसार वे तैयारी करके आते हैं।

(9) छात्रों के लिए लाभ – छात्र भी जानते हैं कि कब-कब किस विषय की पढ़ाई होगी। उसी के अनुसार वे पुस्तकें लाते है तथा घर का कार्य करते हैं।

समय सारणी के प्रकार

(1) कक्षा समय सारणी
(2) शिक्षक समय सारणी
(3) अध्यापकों के अवकाश सम्बन्धी समय सारणी
(4) क्रीड़ा समय सारणी
(5) पाठ्येतर क्रिया समय सारणी
(6) गृह कार्य समय सारणी
(7) प्रयोगशाला समय सारणी
(8) वर्कशॉप समय सारणी।

Scanned by CamScanner